# आकाशवाणी, गोरखपुर

## दिनांक–13 जुलाई 2025 भोजपुरी समाचार

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अउर एक्सिओम–4 मिसन क तीनगो अउरियो यात्रियन क वापसी यात्रा बिहने सुरू होई। विज्ञान अउर प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह सोसल मीडिया पर एगो पोस्ट में बतवलें कि सज्जों अंतरिक्ष यात्री मंगर के दुपहरिया करीब तीन बजे धरती पर वापस आ जइहें। शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के 14 दिन के मिसन पर हवे। उहां के येह स्टेसन पर पहुंचे वाला पहिला भारतीय अउर 1984 में अंतरिक्ष में गइल विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दुसरा भारतीय हवें। लखनऊ क रहवइया शुभांशु येह यात्रा के दौरान सात गो प्रयोग कइले हवे। शुभांशु क पिता शम्भू शुक्ला आपन प्रसन्नता जतावत कहले कि ऊ बहुते उतसाहित हवे।

***जिसके लिए हम लोग इतने दिनों से इंतजार कर रहे थे। अब वह जो वापसी हो रही है हम लोगों को बहुत ही खुशी है और बहुत प्रसन्न है कि जल्दी से जल्दी वह वापस आ जाय। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह जो सक्सल जो है पृथ्वी पर आसानी से उनका वापस हो, यह हमारे लिए बड़ी खुशी का दिन है।***

**********

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आजु अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ दौरा के दुसरका दिन्ने नेशनल पीजी कॉलेज में उत्तर प्रदेस क पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्ता के मुरती क अनावरण अउर उनके सम्मान में डाक टिकटो जारी कइले। येह मौका पर अपने संबोधन मे रक्षा मंत्री कहले कि ऑपरेसन सिंदूर के दौरान ब्रम्होस मिसाइल उल्लेखनीय प्रदर्सन कइलस।

***ऑपरेशन सिंदूर हुआ है उस ऑपरेशन सिंदूर मे ब्रंम्होस ने करिश्मायी काम किया है ब्रम्होस मिसाइस और इतना ही नही ब्रम्होस मिसाईल ने जो करिश्मा दिखाया है उसके बाद लगभग दुनिया के लगभग 14–15 देशो ने भारत से ब्रम्होस मिसाइल की मांग की है। ब्रम्होस मिसाइल अब लखनऊ से भी एक्पोर्ट की जाएगी। यह फैसल्टि रक्षा सत्र में मै समझता हूं कि हमारे देश की जो आत्म निर्भरता है उसको मतबूती देगी और साथ ही इससे रोजगार का भी सृजन होगा और यह मेरा प्रयास यही है कि और इंड्रस्टी भी आए ताकि लखनऊ के साथ–साथ प्रदेश का भी तेजी से विकास हो।***

रक्षा मंत्री कहले कि उत्तर प्रदेस देस के राजनीतिक यात्रा क परमुख केन्द्रन में से एगो हौ। येहिजा जन्म लेवे वाले नेता अउर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लोग येह देस के हमेसा नया उचाई पर पहुंचवले हवे। चन्द्रभानु गुप्ता अइसने एगो नेता रहले जेकर जोगदान देस क मार्गदरसन कइले हौ। रक्षा मंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार क प्रसंसा करत कहले कि उत्तर प्रेस आजु अपने कानून व्यवस्था बदे जानल जाला।

**********

केंद्र सरकार राज्यन अउर केन्द्रसासित परदेसन के नकली अउर खराब उर्वरक के आपूर्ति क जुरते कठोर कार्रवाई कइले क निरदेस दिहले हौ। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सज्जों राज्यन अउर केन्द्रसासित परदेसन के मुख्यमंत्री के येह बारे मे एगो चिट्ठी लिखले हवे। कृषि मंत्री कहले कि उर्वरक क पुरहर उपलब्धता सुनिस्चित करावल राज्यन क जिम्मेदारी हौ। श्री चौहान राज्यन से दोसियन क लाइसेंस रद्द कइ के प्राथमिकियो दरज करावे के कहले हवे।

**********

प्रदेस भर में सरधा अउर भक्ति के माहौल में कांवड यात्रा निकारल जा रहल हौ। परसासन की ओरि से ढेरि संख्या में सरधालुअन क देखत उनकर सुरक्षा अउर सुविधा बदे पुरहर इतिजाम कइल गइल हौ। येही सिलसिला में बनारस के सरकारी अस्पातालन में दस–दस बेड रिजर्व करवावल गइल हौ। एकरे अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर के सथहीं अउरियो परमुख मंदिरन के लग्गे एम्बुलेंसो चौबीस घंटा खडा रही। कांवड राहि में आवे वाला स्वास्थ्य केन्द्रनं पर बेड रिजर्व, करवले क सथहीं एइजा स्वास्थ्य क टीमि तैनात रही।

**********

कुशीनगर जिला के पटहेरवा थान्हा इलाका में राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर आजु एगो ट्रैक्टर ट्राली अउर कार में भइल जोरदार टक्कर में चारि लोगिन क मउति हो गइल, जबकि दुइ लोगि गम्भिराहे घाही हो गइले। घाही लोगिन क इलाज नगिच्चे के अस्पताल में चलि रहल हौ। पुलिस क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज राकेश प्रताप सिंह बतवले कि कार सवार लोगि झारखण्ड के बैद्यनाथ धाम से दरसन कइ के वापिस सिद्धार्थनगर लवटत रहले। अबहिन ऊ कुशीनगर में बगही कुटी के लगही पहुंचल रहले कि हादसा क सिकार हो गइले। दुरघटना क कारण कार के डराइबर क झपकी लिहल बतावल जा रहल हौ।

**********

पहाड़न पर हो रहल बरखा अउर बान्हे से पानी छोड़इले के नाते परदेस के कई जिलन में बाढ़ जइसन हालति पैदा हो गइल हौ। फर्रुखाबाद में गंगा अउर रामगंगा नदी चेतावनी बिंदु के लग्गे बहि रहल हौ। ओहर ललितोपुर में भारी बरखा से सज्जो बान्नहन में जलस्तर बढि रहल हौ। गोविन्द सागर बंधा क सतरह गो गेट खोली के पानी निकारल जा रहल हौ। अमरोहा में बरखा अउर बिजनौर बैराज से पानी छोडइले से खादर इलाका क कई गांव के चारो ओरि बाढि क पानी भरि गइल हौ, जेह से लोगिन के परेसानी क सामना करे के पडि रहल हौ। बांदा में केन नदी क जलस्तर लगतारे बढि रहल हौ। केन नदी येह समय खतरा क चिन्हा से करीब एक मीटर उप्पर बहि रहल हौ, जेकरे नाते नदी के किनारे बसल करीब एक दरजन गांव बाढि के पानी से घिर गइल हौ।

**********